MANISH RAWAL

तीन कदम चलिए अमीर बनिये

जानिए पैसे के बारे में वो सब कुछ जो आपको जानना जरूरी है |

तीन कदम चलिए

अमीर बनिये

जानिए पैसे के बारे में वो सभी कुछ जो आपको जानना जरूरी है |

लेखक : मनीष रावल

LEGAL NOTICE: लेखक ने इस पाण्डुलिपि में अपना पूरा प्रयास किया है सही और पूरी जानकारी देने का उसके बाद भी वो इस बात का दावा नही करता है कि यहाँ दी जा रही समस्त जानकारी त्रुटीरहित है क्योकि तेजी से बदलती आर्थिक दुनिया में नियम और जानकारिया तेजी से बदलती है फिर भी सभी प्रयास किये गये है कि दी गयी जानकारी सही है फिर भी लेखक कि किसी प्रकार कि त्रुटी चूक और विरोधाभासी विचारो को लेकर कोई जवाबदारी नहीं है और न रहेगी | अगर किसी व्यक्ति, लोगो और किसी आर्गेनाईजेशन लेखक के विचारो से सहमती नही रखता और उन्हें लेखक के विचारो से कोई कोई हानि होती है तो ऐसा लेखक ने जानबूझकर नही किया है |

इस तरह कि प्रैक्टिकल सुचना पुस्तक में किसी भी प्रकार कि आमदनी होने कि कोई भी गारंटी नही है पाठको को सलाह दी जाती है कि अपनी स्थिति और सोच समझ कर निर्णय ले कर कोई निवेश अथवा कार्य करे |

यह पुस्तक किसी भी प्रकार के क़ानूनी, व्यापारिक, लेखांकन और वित्तीय सलाह के लिए नही है इस प्रकार कि सलाह के लिए उपयुक्त सलाहकार कि सलाह पर ही कार्य करे |

Copyright© 2017 by Manish Rawal

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, Including photocopying, recording, or by any informational storage and retrieval system, without the written Permission of the author/publisher except where permitted by law..

वार्म अप फर्स्ट
- सफल व्यक्ति के तीन प्रमुख गुण–

पहला कदम
- अपनी वैल्यू पहचानिए
- आइये यात्रा प्रारम्भ करें –
- अन्य लोगो का पैसा –
- कुछ नया सोचिये
- अपने व्यापार के बढ़ने का समय दीजिये –
- नई उचाईया छुइए–
- अपने व्यापार को अपडेट करना–
- शेखचिल्ली के हसीन सपने-

दूसरा कदम
- आपकी सेविंग
- आमदनी खरीदे खर्चे नही
- तीन प्रकार के खर्चे
- जो पूंजी को दीमक की तरह चाट जाते हैं
- भविष्य की जरूरत का आकलन करिए–
- आपके शौक और आदते –
- कब करे विलासिता पर खर्च
- एक के साथ एक फ्री
- कुछ मनी सेविंग टिप्स –

पार्ट 3

आपकी आमदनी – आपकी बचत =आपका निवेश
- समझिये निवेश को
- रूल 72
- महंगाई दर
- निवेश के नियम -
- निवेश और ट्रेडिंग में अंतर समझे
- निवेश के कुछ महत्वपूर्ण नियम -
- निवेश के तरीके (स्ट्रेटजीस ऑफ़ इन्वेस्टिंग)
- निवेश के साधन
- कुछ पैसिव इनकम के तरीके –
- निवेश के विभिन्न साधन
- सारांश
- इन सबको मिलाये

वार्म अप फर्स्ट

यह पुस्तक मनोरंजन के उद्देश्य से नही लिखी गयी है परंतु मुझे पूरा विश्वास है कि यह अपना उद्देश्य बखूबी पूरा करती है, वह उद्देश्य जिसके लिए इसे लिखा गया है, जिसके लिए आपने इसको खरीदा है, और इस पुस्तक का उद्देश्य है आपको वह ज्ञान देना जिसकी आपको तलाश है

दुनिया में करोड़ों लोग गरीब पैदा हुए और करोड़पति बन गए। आज यह लोग महंगी कारो में घूमते हैं, ब्रांडेड कपड़े और जूते, घडिया पहनते हैं, जीवन का हर आनंद लेते हैं, समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा पाते हैं। मैं आपको बताता हूं असल मान सम्मान और प्रतिष्ठा इन लोगों के उच्च ज्ञान की होती है जिसके बल पर यह करोड़पति बने हैं, और वो ज्ञान और तरीका आपको भी सीखना है, अगर आप भी संपन्न बनना चाहते है।

ये लोग कौन बनेगा करोडपति खेल कर करोडपति नही हुए है, न ही लाटरी से न जुएँ में बल्कि एक निश्चित तरीके से काम करके करोडपति बने है, अगर आप भी उस तरीके को सीखना चाहते है, तो निश्चित ही ये किताब आपके लिए है|

आप भी इन लोगों की तरह आरामदायक जिंदगी जीना चाहते हैं, 10:00 से 5:00 ऑफिस से छुटकारा चाहते हैं आर्थिक रुप सुरक्षित होना चाहते हैं, अगर हाँ, तो मैं आपको, आपका एक गुण बताता हूं चाहे आप अभी अमीर ,हो या ना हो परंतु आपने इस पुस्तक को खरीदकर अपने महत्वकांक्षी होने का परिचय दिया है, इसका अर्थ है कि आप अपने जीवन में बदलाव चाहते हैं और इसके लिए आप एक रोडमेंप ढूंढ रहे हैं, जिस पर चलकर आप भी अमीर बन जाए और आर्थिक कठिनाइयों से मुक्ति पा जाये|

इन्सान का जीवन तब बहुत सुकून भरा और मजेदार होता है, जब उसे पैसे की चिंता नही होती आज की भागम भाग भरी जिन्दगी में समय से पूर्व सेवा निवृत्त होकर अपना जीवन बिना तनाव, चिंता और कठोर परिश्रम के जीना सभी चाहते है|

कई महत्वकांक्षी लोग होश संभालते ही करोड़पति बनने का सपना देखने लगते हैं पर उनमे से कुछ ही सफल हो पाते हैं अगर आप भी उनमें से एक है, और अभी तक आपका सपना - सपना ही है तो आप को आत्म विश्लेषण करने कि आवश्यकता है। नीचे दिये कडवे सवालों के जवाब ईमानदारी से दिजीये। जी हाँ कडवे जिस प्रकार बीमारी से छुटकारा पाने के लिए कड़वी दवाई आवश्यकता होती है उसी प्रकार गरीबी और आभाव की बीमारी से छुटकारा पाने के लिए इन कड़वे सवालों के जवाब पर आत्म विश्लेषण करना अत्यंत आवश्यक है–

क्या मैं परिश्रम करने से कतराता हूँ ?

क्या मैं जोखिम लेने से डरता हूँ ?

क्या मुझे खुद की योग्यता पर भरोसा नहीं है ?

क्या मुझमे सामान्य बुद्धि भी नही है ?

क्या में अपनी वर्तमान आर्थिक स्थिति से संतुष्ट हूँ ?

क्या में शारीरिक रूप से कमजोर हूँ ?

क्या में व्यसनी हूँ और अपना समय आमोद प्रमोद और मनोरंजन में बिताता हूँ ?

क्या मुझमे आत्मविश्वास की कमी है ?

क्या मुझमे कुछ नया करने और सीखने की इच्छा नही है ?

इन सभी सवालों को ध्यान से पढिये और आत्म विश्लेषण करिए अगर किसी भी सवाल का जवाब हाँ में है तो संभव है, यही कारण है, जो आपको सम्पन्न होने से रोक रहा हो, इन सवालों के जवाब आप जब तक हाँ में देते रहेंगे तब तक आपके करोडपति बनने की सम्भावना बहुत ही कम रहेगी| अपनी हाँ को न में बदलिए ये वो गुण है, जो लगभग सभी सम्पन्न लोगो में सामान्य रूप से पाए जाते है|

मुझे माफ़ करिए लेकिन में थोडा साफ साफ बोल रहा हूँ हो सकता है, आपको मेरी भाषा अच्छी न लगे परन्तु

अगर आप आलसी है, और परिश्रम नहीं करना चाहते, अगर आप डरपोक है और जोखिम लेकर कोई व्यापार नही करना चाहते, अगर आप को खुद पर भरोसा नही है, अगर आप सोच नही सकते, अगर आप अपनी वर्तमान गरीबी की स्थिति से संतुष्ट है, अगर आप रोजाना व्यायाम नही करते, हेल्थी फ़ूड नही खाते, अपना समय आमोद प्रमोद और बेकार के टीवी. सिनेमा, पार्टी, में बिगड़ते है, खुद पर आत्मविश्वास नही है और कुछ भी नया सीखने की, नया ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा नही रखते तो आपके सफल होने के चांसेस बहुत कम है |

सबसे पहले ये आवश्यक है की आप अपने अन्दर ये बदलाव लाये –

मैं परिश्रम से पीछे नहीं हटूंगा, में सावधानी पूर्वक हर तरह से आश्वस्त हो जाने के बाद जोखिम लेकर व्यापार अथवा निवेश करूंगा | मैं सफल हो सकता हूँ ये आत्मविश्वास रखूंगा | अगर मैं वास्तव मैं अमीर होना चाहता हूँ तो हमेशा इसका प्रयास करूंगा | मैं प्रतिदिन व्यायाम करूंगा और सभी व्यसनों से दूर रहूँगा | में अपना लक्ष्य बना कर उस लक्ष्य की प्राप्ति में आने वाली बाधाओ को पार करूंगा और अगर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मुझे कुछ नया सीखना पड़े तो हमेशा सीखता रहूँगा |

धनवान अथवा पैसेवाला होना न तो आसमान से तारे तोड़ कर लाने जेसा असंभव है, न ही राकेट बनाने जैसा कठिन, संपन्न होने का तरीका उसके लिए बहुत सरल है, जिसके पास इस विषय का ज्ञान है, कुछ सामान्य कदमो को उठा कर कोई भी इन्सान जिसमें अमीर होने की ललक है, वह अपने परिश्रम, चतुराई और अमीरों की नक़ल करके खुद भी अमीर बन सकता है |

अमीर होने के तरीके बहुत सामान्य है आपने कई लोगो को अमीर होते देखा होगा, जो आपके सामने अमीर हुए है अतः ये संभव है के इनमे से कुछ तरीके आप पहले से ही जानते हो अगर ऐसा है तो फिर भी मैं आपसे कहूँगा कि इस पुस्तक को आप पूरा पढ़े क्योकि ऐसा करने के बाद आप अमीर होने के विज्ञानं के सभी सूत्रों से भली भाती परिचित हो जायेंगे और वो सभी तरीके जो गरीबी से लड़ाई के लिए अपनाने चाहिए उनका आपको ज्ञान होगा |

दुनिया में कई धर्म है, पर पूरी दुनिया दो भागो में बंटी हुई है, एक है अमीर की दुनिया दूसरी है गरीब की दुनिया, कई लोग गरीब पैदा जरुर होते है परन्तु अपनी महत्वकांक्षा, लगन, परिश्रम और चतुराई के बल पर धीरे - धीरे अमीरों की दुनिया में अपना मुकाम बना लेते है | इन लोगो का अध्ययन करने पर हमको पता चलता है कि इन लोगो के सोचने का तरीका अन्य लोगो से अलग होता है, इनमे कुछ योग्यता और ज्ञान होता है जो इनको गरीब से अमीर बनाता है, अगर वो ज्ञान सभी के पास हो जाये तो बहुत लोग अमीर और पैसे वाले का तमगा पा सकते है, इस पुस्तक को लिखने का मेरा उद्देश्य आपको सम्पन्नता के उन्ही तीन चरणों से अवगत कराना है |

अगर आप आश्चर्य करते है कि अमीरों के पास इतना पैसा कहा से आया और मेरे पास तो कुछ भी नहीं है, तो निश्चित मानिये आपने इस किताब को पढने के लिए चुनकर अपनी सम्पन्नता की और कदम बढाया है | धनवान बनने का रास्ता इतना कठिन भी नहीं है कि हर कोई इस पर नहीं चल सकता है |

इस पुस्तक के माध्यम से मेरा प्रयास यही है की आपको वो सभी गल्तियां बताऊ जो गरीब करते है और गरीब पैदा होकर गरीब ही मर जाते है, वो अपने और अपने परिवार और आने वाली पीढियों के लिए कुछ भी आधार नहीं छोड़ कर जाते है |

तो हमको वो करना जो अमीर करते है और आमिर क्या करते है ? उनमे क्या क्वालिटी होती है ? वो पैसे के प्रति क्या नजरिया रखते है ? ये भी हमको गहरे से समझना है, समझ कर आपको बिलकुल वो करना है जो अमीर करते है, और वो सोच वो मानसिकता रखनी है जो पैसे के बारे में अमीर रखते है |

इस प्रकार अमीरों की नक़ल करके कोई भी बन सकता है धनवान |

इस पुस्तक के माध्यम से आपको सही मार्गदर्शन देना मेरा कर्तव्य है, और में आपको झूठा दिलासा नहीं देना चाहता हूँ कि कोई भी जल्दी से अमीर बन सकता है, सच्चाई ये है की धनवान बनने के लिए समय लग जाता है, धन एक दिन अथवा थोड़े समय में नहीं इकठ्ठा होता है, इसको अर्जित करने के लिए कई जतन, प्रयत्न, परिश्रम और त्याग करने पड़ते है तब जाकर धन की देवी प्रसन्न होती है, और अपने साधक पे कृपा करती है, सतत किये गये प्रयासों से ही सम्पन्नता मिलती है, एक के बाद एक सम्पन्नता की सीढ़िया चढनी पडती है |

कई लोग अपनी आर्थिक स्थिति के लिए अपने भाग्य, भगवान और अपने माता पिता को दोष देते है, जेसे मेरी तो

किस्मत ही खराब है, भगवान ने मेरे भाग्य में पैसा ही नहीं लिखा है, अथवा मेरे पिता मेरे लिए कुछ नहीं छोड़ गए, भाग्य और भगवान का तो मुझे पता नहीं मगर अगर आपके पूर्वजो ने कोई घर 100 साल पहले 100 रूपये में ख़रीदा होता, तो आज उस घर की कीमत कई करोड़ हो चुकी होती, इस तरह आप भी पैदा ही सम्पन्न होते | कई परिस्थितियां इन्सान को गरीब और अमीर बनाती है, पर हमारे आदर्श, वो खुद की समझदारी से सम्पन्न बने लोग होने चाहिए जो आज आर्थिक रूप से बहुत सुदृढ़ है |

कई लोग धन कमाने के लिए गलत रास्तो पर चल पड़ते है, कुछ लालच में आकर अपने पास की थोड़ी बहुत जमा पूंजी भी गँवा देते है | याद रखिये जहा लालच है वही धोखा होता है | अगर कोई आपको लालच दे कि में आपका पैसा 2 वर्ष में डबल कर दूंगा तो ऐसे लालच से दूर रहे, अमीर बनाने का लालच देकर लोगो से उनकी जमा पूंजी हड़पने का धंधा बहुत पुराना है, इंग्लिश में एक कहावत है - फाइनेंसियल वर्ड में फ्री लंच नहीं होता है, अर्थात आप अगर आज ये सोच कर किसी बिजनेस लंच में जा रहे है कि ये पार्टी आपको ख़ुशी से दी जा रही है तो वो सही नहीं है, इसके पीछे बिजनेस लंच देने वाले का कुछ स्वार्थ जुडा हो सकता है, हो सकता है वो आपको अपनी किसी लुभावनी योजना में फंसा कर आपसे पैसा हड़पना चाहता हो, अतः सावधानी रखे और अपने पैसे की सुरक्षा का ध्यान रखे और लालच में पड़कर उसको डूबने से बचाए, अपने पैसे को सही तरह से बढ़ने का अवसर दे, और उसको अपने से दूर नहीं जाने दे अंग्रेजी में एक कहावत है एक मुर्ख और उसका पैसा बहुत जल्दी अलग – अलग हो जाता है, जो पैसे का मैनेजमेंट नहीं समझते और उसका सही उपयोग नही करते वो अपने पैसे से बहुत जल्दी हाथ धो बैठते है, कई लोग शेयर मार्किट की टिप के आधार पर अपना पैसा मार्किट में लगा देते है, पर सच्चाई यह होती है, कि वो शेयर, टिप देने वाले या उसके लोगो ने पहले से ही नीचे के भाव पर खरीद रखा हो और भोले भाले इन्वेस्टर के खरीदने के बाद वो नीचे के भाव में ख़रीदे अपने शेयर बेच दे और टिप पर खरीदी करने वाले को अपना खरीद मूल्य भी न मिले |

कई लोग शेयर मार्किट को पूरी तरह समझे बिना कि वो किस तरह से काम करता है, अपनी मेहनत की कमाई उसमे लगा देते है, और जल्दी ही सारे पैसे गँवा कर बहार हो जाते है |

संपन्न होने के लिए मनी मैनेजमेंट सिद्धांतो को समझना बहुत जरुरी है, पैसा और उसका सही उपयोग और जोखिम और उस जोखिम को उठाने पर मिलने वाले प्रतिफल का जोखिम से अनुपात ये सब फाइनेंस की भाषा में बोली जाने वाली बोलियाँ है, जो बहुत जल्दी आपको समझ में आ जाएगी |

याद रखिये अच्छा फल पाने के लिए पेड़ लगाना पड़ता है, पेड़ लगाने के लिए जमीं तेयार करनी पड़ती है, जमीं में उन्नत बीज बोना पड़ता है, उसमे पानी देना पड़ता है, फिर उस पेड़ को बड़ा होकर फल देने जितना बड़ा करना पड़ता है, और एक दिन समय आने पर वो पेड़ फल देने लगता है, अमीरी का पेड़ भी ठीक इसी तरह से लगाया जाता है |

पैसे का एक और नियम है, जितनी जल्दी आप इसको कमा कर निवेश करना शुरू करेंगे उतनी जल्दी आप आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर लेंगे, अगर आप 25 वर्ष की उम्र से पैसे कमाना और उसे निवेश करना शुरू करते है, तो आप उस व्यक्ति से बहुत आगे रहेंगे जिसने 40 की उम्र से निवेश शुरू किया है, यहाँ मनी डबल का सिद्धांत (कोम्पौन्डिंग इंटरेस्ट) काम करता है, जो हम आगे समझेंगे |

यह पुस्तक लिखते समय मैं यह मान कर चल रहा हूँ की आप आर्थिक रूप से सम्पन्नता के लिए उठाये जाने वाले तीन कदमो से नावाकिफ है और हमको शुरुआत से ही अपनी आर्थिक सम्पन्नता की यात्रा शुरू करनी है, मगर आप अपने आप को जिस भी चरण के जिस भी स्थान पर पाते है, आप वही से शुरुआत कर दीजिये अपनी आर्थिक समृद्ध की | धनवान और सामान्य व्यक्ति की सोच का अंतर समझते है अगले कुछ पेज में उसके बाद समझेंगे अमीर किस प्रकार प्रयत्नों और मनी मैनेजमेंट के सिद्धांतो का पालन करके अमीर बनते है |

किसी भी व्यक्ति की आंतरिक दुनिया उसकी बाहरी दुनिया को प्रभावित करती है, जो विचार उसे अपने परिवार, मित्रो और पड़ोसियों से मिले है और जो भी उसने देखा है वो उसके मान्यताये (बिलीफ) बन जाते है, ये मान्यताये ही उसके भविष्य की दिशा तय करते है, अगर कोई मिडिल क्लास फैमिली में बड़ा हुआ है तो बहुत संभावना है की उसके माता पिता उसे बचपन से पढ़ लिख कर कोई अच्छी सी नौकरी पाने की सलाह देते होंगे, मिडिल क्लास फैमिली में उद्योगपति अथवा बिजनेसमेन बनने का सपना बहुत कम देखा जाता है, इस क्लास में सुरक्षित आय के साधन जैसे नौकरी प्राप्त करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है, इस वर्ग का सपना होता है कि उनके बच्चे

पढ़ लिख कर कोई नौकरी पा जाये, इसीलिए मिडिल क्लास फैमिली का बच्चा हमेशा पैसे को नौकरी के माध्यम से कमाना चाहता है, वही इसके उलट रिच क्लास के बच्चे बचपन से ही अपने पिता को निवेश कर पैसे कमाते देखते है अतः उन्हें व्यापार और उद्यम के सभी तरीके बहुत छोटी उम्र में सीखने को मिल जाते है | जहाँ अपनी मान्यताओ और पैसे के प्रति अपने नजरिये के कारण मिडिल क्लास अपनी मौलिक जरुरतो को पूरा करने के लिए कमाता है वही रिच क्लास अपनी महत्वकांक्षा को पूरी करने के लिए |

दोनों क्लास की सोच का अंतर ही इनकी दिशा तय करता है – जहाँ संपन्न लोग पैसे को कमाने के लिए जोखिम उठाते है, और अधिक सम्पन्न होते जाते है, वही सामान्य लोग जोखिम उठाने से कतराते है, वो कुछ भी नया करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते वही संपन्न लोग एक नपी तुली सोच के साथ जोखिम उठाते है |

अगर आप अभी तक अपनी मौलिक जरूरत जितना भी नही कमा रहे है, तो आपको और देर नही करना चाहिए जल्दी से अपने लिए एक आमदनी का स्त्रोत ढूंड कर उस पर काम शुरू कर देना चाहिए, क्योकि जब आप अपनी मौलिक जरूरते रोटी, कपड़ा मकान पूरी करने लग जायेंगे तभी आप कार, होटल में खाने, महंगे याच और एयरोप्लेन में घुमने के बारे में सोच सकते है

सफल व्यक्ति के तीन प्रमुख गुण–

अवसर की पहचान- सफल व्यक्ति की नजर गिद्ध की नजर होती है। वह अवसर को तुरंत पहचान लेते हैं। अगर कहीं कोई व्यापार की संभावना होती है तो वह उनकी पैनी निगाहों से नहीं बच सकती है, कहीं किसी वस्तु या सेवा की मांग और पूर्ति में अंतर होता है तो वह उस अंतर को अपने लाभ में परिवर्तित कर लेते हैं। कुछ सालों पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा की एक दिन पानी भी बिकेगा, परंतु ठंडे और स्वच्छ जल की आवश्यकता को एक व्यापारी ने पहचाना और फिल्टर वाटर को बोतलों में पैक कर बाजार में बेचना शुरू कर दिया, दूषित जल से होने वाली बीमारियों के डर से कई लोगों ने इस बिजनेस के कॉन्सेप्ट को हाथों हाथ लिया और बहुत जल्दी बोतलबंद पानी लोगों की प्यास बुझाने लगा, इस प्रकार जिस व्यापारी ने सबसे पहले बोतलबंद पानी बेचना शुरू किया था, उसने भारी मुनाफा कमाया होगा इसी प्रकार आप भी अपने आसपास होने वाले परिवर्तनों पर नजर रखें और अपनी बुद्धिमानी से अवसर का लाभ उठाएं।

एक हीरे के पहचान जोहरी ही कर सकता है, उसी प्रकार अपने विशिष्ठ नजरिये से एक सच्चा सफ़ल व्यापारी फौरन अवसर को पहचान लेता है | आप में से कई लोग गोल गप्पे खाने रेहड़ी पे कई बार खड़े हुए होंगे, पर आप केवल गोल गप्पो के स्वाद का ही अंदाज लगा रहे होंगे जबकि एक अच्छा व्यापारी ये अंदाज लगा लेता है की ये गोल गप्पे वाला दिनभर में कितने रूपये कमा लेता है, जब आप स्वयम व्यापार करने लगेगे और अवसर को अपने विशिष्ठ नजरिये से देखने लगेगे तब आप आसानी से कुछ ही सेकंड के विश्लेषण में ये पता करने में कामयाब हो जायेगे की ये व्यापार ठीक चल रहा है या नही और व्यापारी उस व्यापार से कितने रूपये रोज कमा लेता है, आपका नजरिया आपको ये भी बता देगा की उस वस्तु की कितनी मांग है, अर्थात वस्तु की मांग और पूर्ति का अंतर और मुनाफे का आंकलन एक व्यपारी फ़ौरन भाप लेता है, जिसे आम भाषा में अवसर कहा जाता है |

बराबर रिसर्च करना– जब भी कोई व्यापारी किसी अवसर को देखता है तो वह उस अवसर पर कोई भी एक्शन लेने से पहले कई तरह से अपने आइडिया को परखता है, हर आईडिया की परख अलग-अलग होती है, अगर आप एक मार्केट से कोई माल सस्ते में खरीदकर उस माल को दूसरे मार्केट में महंगे दामों में बेचकर दोनों मार्केट की कीमत के अंतर से मुनाफा कमाना चाहते हैं तो सबसे पहले आपको उस माल का मार्केट पता करना होगा कि वह माल कहां सस्ते में मिल सकता है उसके पश्चात आपको जहां वह माल बेचना चाहते हैं वहां की डिमांड और प्रतिस्पर्धा का आकलन करना होगा बिना रिसर्च किया व्यापार हानि भी दे सकता है अतः व्यापार शुरू करने से पहले सही जांच पड़ताल अवश्य कर ले कि आपका आकलन सही है, या नहीं, इस प्रकार सफल व्यक्ति सोच समझकर सच्चाई तक पहुंचकर कदम उठाते हैं।
अपने आइडिया को अमल में लाना – कई लोग बहुत बुद्धिमान होते हैं उनकी अवलोकन क्षमता भी बहुत अच्छी होती है उनके पास आइडियाज भी होते हैं परंतु फिर भी वह सफल नहीं हो पाते हैं, क्योंकि वह अपने अवलोकन पर एक्शन नहीं लेते हैं, यह लोग अपनी आरामदायक जिंदगी से बाहर नहीं निकलना चाहते हैं और जिंदगी भर कुएं के मेंढक की तरह कई अवसरों को गवा देते हैं इसके विपरीत सफल लोग अपने आईडिया को क्रियान्वित करते हैं और कुछ नया करते हैं।

इसके अतिरिक्त सफल लोगों में और भी कई खूबियां होती है जो उनको सफल बनाती है

सफलता के लिए ललक – इन लोगो में बचपन से ही अमीर बनने की ललक रहती है, कैसे भी कर के धन कमाना उनका लक्ष्य होता है, दिमाग दिन रात इसी उधेड़बुन में रहता है की हम कैसे अधिक से अधिक धन कमाए, धन के प्रति लगाव के चलते ये आमिर बनने के सभी वजिब तरीके आजमाते है, असफल होने पर हार नहीं मानते है, और पुनः प्रयास करते है, हर दिन तरक्की की और कदम बढ़ाते है, और अगर किसी दिन कुछ सकारात्मक नहीं कर पाए तो अपना दिन व्यर्थ समझते है, पुरानी कहावत है जहाँ चाह वहा राह, और एक ना एक दिन अपनी मंजिल का रास्ता पा ही लेते है, और जब रास्ता मिल जाता है तो दिन रात बिना रुके अपनी मंजिल की और बढ़ते जाते है, रास्ते की कठिनाइयों का कोई न कोई हल जरुर निकालते है | अगर आप भी संपन्न होना चाहते है तो मन में ठान लीजिये कि में सफल बन कर रहूँगा |

समय का सदुपयोग – ये लोग अपनी धुन के पक्के होते है, सिर्फ अपनी मंजिल पे नजर, पैसा बनने की धुन लिए व्यक्ति को कौन सी मूवी आ रही है कौन सा गाना हिट हो गया है, और कहा पार्टी में जाना है इन सब बातो से कोई मतलब नहीं उनके लिए ये सब समय खराब करने की बाते है, उनका असली मकसद तो पैसा है, जो उनकी